e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2320-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

# INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 10, Issue 6, June 2021

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.512

9940 572 462    6381 907 438    ijirset@gmail.com    www.ijirset.com

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

# पर्यटन विकास पर सामाजिक प्रभावों का अध्ययन

## (चित्तौड़गढ़ जिले के संदर्भ में)

**Dr. Pankaj Rawal**

Associate Professor, Geography

JRN Rajasthan Vidyapeeth( Deemed to be University) Udaipur

पर्यटन व्यवसाय जहाँ आर्थिक रूप से अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देता है ठीक उसी प्रकार सामाजिक व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। पर्यटन व्यवसाय का प्रभाव सामाजिक एवं सामाजिक प्रभावों का आंकलन पर्यटकों एवं राज्य के पर्यटन केन्द्रों के जिलों की जनता पर किये जाने वाली सामाजिक स्थितियों के परिवर्तन की दिशा का बोध होता है।

किसी भी जिले की समृद्ध प्राकृतिक, ऐतिहासिक, वास्तुकला एवं सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित करने हेतु जिले के समृद्ध हस्तकलाओं एवं कुटीर उद्योगों की वस्तुओं की बिक्री के लिए समुचित बाजार का विकास करना, तीर्थ पर्यटन एवं मेले, त्यौहारों द्वारा अन्तर सांस्कृतिक भाई-चारे को बढ़ावा देना तथा पर्यटन व्यवसाय द्वारा राज्य के सामाजिक उत्थान में सहयोग प्रदान करना आवश्यक है।

चूंकि पर्यटक जहां पर्यटन करने आता है दोनों ही एक दूसरे से सीखते हैं सम्पर्क में आते हैं एवं बदलाव को अपने में अंगीकार करने की कोशिश करते हैं।

राज्य में प्रतिवर्ष कई स्वदेशी व विदेशी पर्यटक मेलों, उत्सवों या अन्य अवसरों पर आते हैं, ये पर्यटक पर्यटन केन्द्र के जिले की जनता के सामाजिक जीवन को कई रूपों में प्रभावित करते हैं। एक और देश के विभिन्न भागों से आने वाले पर्यटकों में अपनी भिन्न-

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|
|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

भिन्न संस्कृति, भाषा, रहन-सहन, खान-पान, आदि सामाजिक लक्षण छलकते हैं वहीं दूसरी और विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटकों में अपनी संस्कृति, आचार-विचार, भाषा, फैशन आदि सामाजिक लक्षण विद्यमान होते हैं। इन भिन्न-भिन्न सांस्कृतिक विशेषताओं को देखने, समझने का अवसर पर्यटन केन्द्र के लोगों, स्वदेशी, विदेशी पर्यटकों आदि को मिलता है। इन भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के लक्षणों का प्रभाव देशी व विदेशी पर्यटकों पर ही नहीं अपितु पर्यटन केन्द्र के लोगों को लगातार अपने प्रभाव क्षेत्र में रखता अत: निरन्तर विभिन्न सांस्कृतिक लक्षणों को देखने व समझने की प्रक्रिया से पर्यटन केन्द्र के लोगों पर महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव सामाजिक जीवन के विभिन्न रूपों को छू जाता है।

इन सामाजिक प्रभावों से एक और राज्य में सामाजिक स्थिति में प्रगति की और परिवर्तन होते हैं तो दूसरी और हमारी संस्कृति हानिकारक प्रभावों की चपेट में आ जाती है।

## चित्तौड़गढ़ जिले में पर्यटन के सामाजिक प्रभावों का अध्ययन :

अध्ययन क्षेत्र में पर्यटन के विकास पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों के जानने हेतु अनुसंधान द्वारा उत्तरदाताओं के रूप में 50 शिक्षाविदों, 50 व्यवसायियों व 50 स्थानीय नागरिकों व 50 गाइड कुल 200 उत्तरदाताओं से प्रश्नावलियों के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया। इन उत्तरदाताओं से विभिन्न सामाजिक आर्थिक पहलुओं जिनका पर्यटन का प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ा उसकी जानकारी प्राप्त की गई।

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

**(1) सामाजिक प्रभाव-**

**तालिका संख्या 01 : पर्यटन से शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्गीकरण**

| क्र.सं. | प्रभाव | शिक्षाविद् | व्यवसायी | स्थानीय नागरिक | गाईड | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | हाँ | 30 (60.00) | 25 (50.00) | 45 (90.00) | 35 (70.00) | 135 (67.5) |
| 2. | नहीं | 20 (40.00) | 25 (50.00) | 05 (10.00) | 15 (30.00) | 65 (32.5) |
| | **कुल** | **50 (100)** | **50 (100)** | **50 (100)** | **50 (100)** | **200 (100)** |

**आरेख संख्या 01 : पर्यटन से शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्गीकरण**

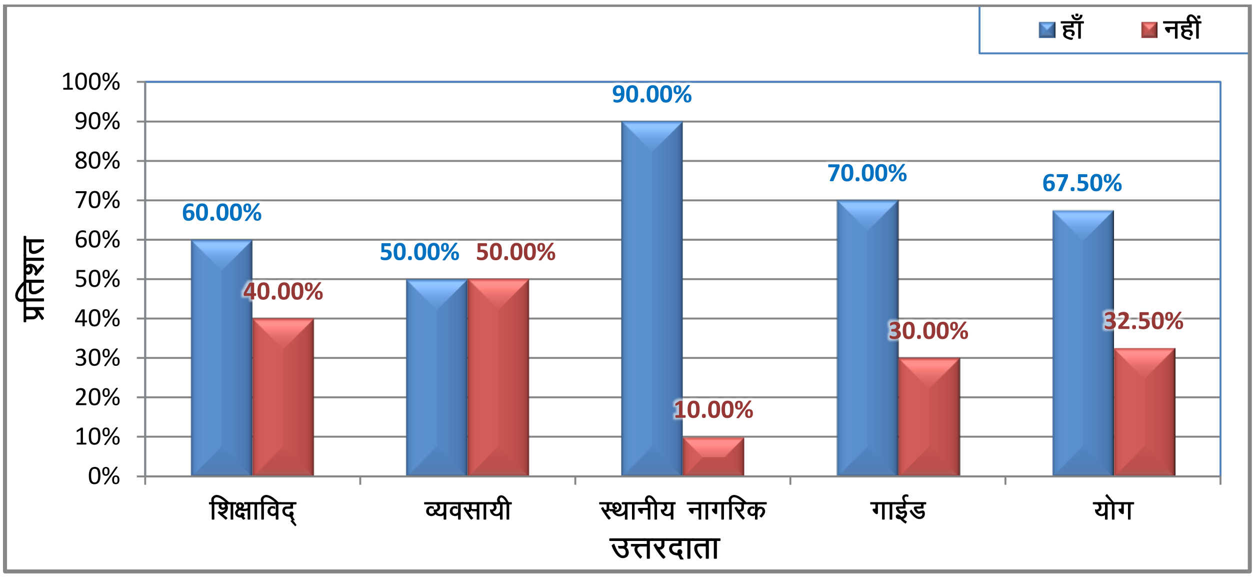


चित्तौड़गढ़ जिले में पर्यटन से स्थानीय सुविधाओं पर पड़ने वाले प्रभावों में 60.00 प्रतिशत शिक्षाविद् इसका प्रभाव मानते है, जबकि 40.00 प्रतिशत कहते है अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है और 50.00 प्रतिशत व्यवसायियों का कहना है कि कोई प्रभाव नहीं पड़ताहै, इसी प्रकार 50.00 प्रतिशत होटल व्यवसायी, 90.00 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों व 70.00 प्रतिशत गाइडों का मानना है कि पर्यटन से शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है जबकि 10.00 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों व 30.00 प्रतिशत गाइडों के अनुसार इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

**तालिका संख्या 02 : पर्यटन से होने वाले सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन**

| क्र.सं. | सामाजिक स्थिति | शिक्षाविद् | व्यवसायी | स्थानीय नागरिक | गाईड |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | संस्कृति पर प्रभाव | 39 (78.00) | 43 (86.00) | 46 (92.00) | 42 (84.00) |
| 2. | फैशन पर प्रभाव | 43 (86.00) | 36 (72.00) | 48 (96.00) | 40 (80.00) |
| 3. | खान-पान पर प्रभाव | 46 (92.00) | 45 (90.00) | 29 (58.00) | 41 (82.00) |
| 4. | रिति-रिवाजों पर प्रभाव | 36 (72.00) | 28 (56.00) | 40 (80.00) | 46 (92.00) |
| 5. | एकता पर प्रभाव | 38 (76.00) | 34 (68.00) | 39 (78.00) | 28 (56.00) |
| | **आधार** | **50 (100)** | **50 (100)** | **50 (100)** | **50 (100)** |

**आरेख संख्या 02 : पर्यटन से होने वाले सामाजिक परिवर्तन का अध्ययन**

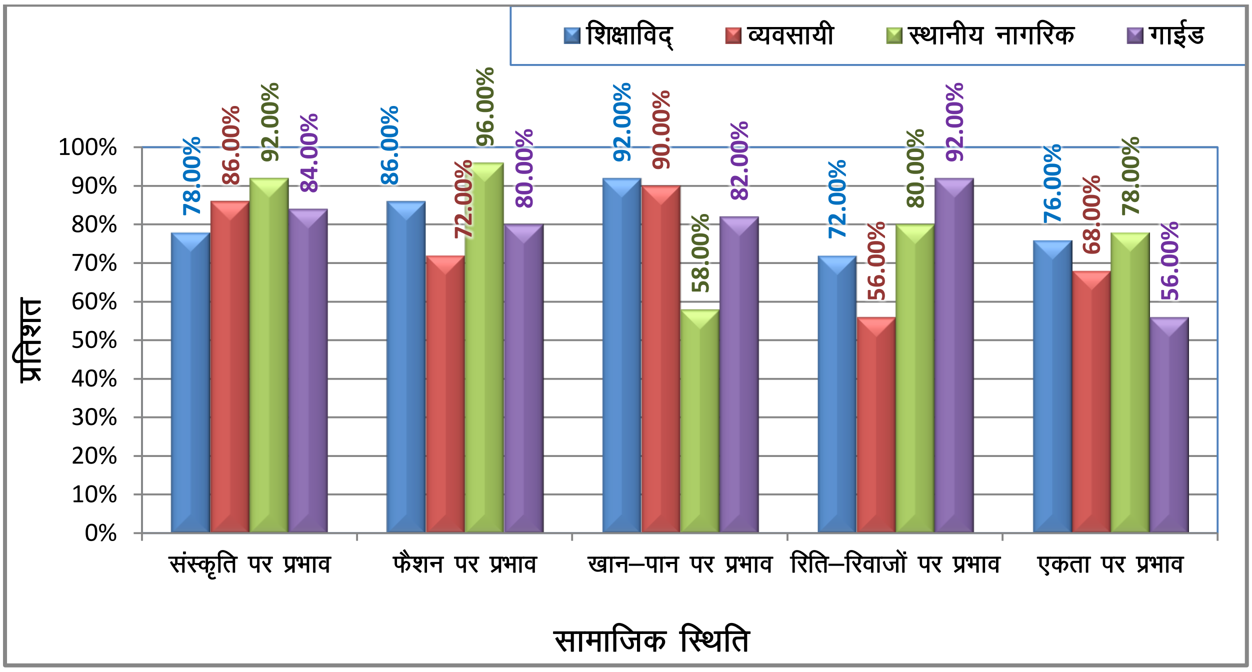

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

प्रस्तुत सारणी में चित्तौड़गढ़ की सामाजिक स्थिति में पर्यटन के प्रभाव से होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया गया है, जिसके अन्तर्गत 78.00 प्रतिशत शिक्षाविद्, 86.00 प्रतिशत व्यवसायी, 92.00 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों एवं 84.00 प्रतिशत गाइडों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उनकी संस्कृति पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा है, क्योंकि अध्ययन क्षेत्र में भिन्न-भिन्न राज्यों व देशों से आने वाले पर्यटकों के लगातार सम्पर्क में आते रहने से पर्यटन केन्द्रों पर रहने वाले लोगों की संस्कृति में धीरे-धीरे परिवर्तन आ गया है, वर्तमान में विशेषकर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव अधिक देखा गया।

इसी प्रकार 86.00 प्रतिशत शिक्षाविद् व 72.00 प्रतिशत व्यवसायी वर्ग के अनुसार पर्यटकों से फैशन रहन-सहन पर प्रभाव पड़ा है किन्तु इसका सबसे अधिक प्रभाव 96.00 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों पर पड़ा जिसके अन्तर्गत यह प्रभाव समाज के युवावर्ग पर अधिक देखा गया है विदेशी पर्यटकों के प्रभाव में आकर युवावर्ग अपने को विदेशीयों के समान फैशन में ढालने का प्रयास करने लगा है और परम्परागत पहनावे को लोग छोड़ते जा रहे हैं। वहीं 80.00 प्रतिशत गाइडों के अनुसार फैशन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

खान-पान पर प्रभाव के अन्तर्गत सर्वाधिक 92.00 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार खान-पान पर पर्यटन का प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि अध्ययन क्षेत्र में आने वाले विभिन्न पर्यटकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार भोजन परोसा जाता है तथा पेय पदार्थ भी उपलब्ध कराए जाते हैं इससे हमारे परम्परागत भोजन का महत्व कम होता जा रहा है।

इसी प्रकार 72.00 प्रतिशत शिक्षावद्, 56.00 प्रतिशत व्यवसायी, 80.00 प्रतिशत स्थानीय निवासी व 92.00 प्रतिशत गाइडत्रों के अनुसार पर्यटन का उनके रितिरिवाजों पर प्रभाव पड़ा है,सामाजिक रीति-रिवाज जैसे -शादी ब्याह आदि पर विदेशी पर्यटकों का बुरा प्रभाव देखने को मिला है तथा पश्चिमी संस्कृति की चपेट में आने से यहां के सामाजिक रीति-रिवाज नाम मात्र के लिए रह गये हैं।

पर्यटन के विकास से शिक्षा के क्षेत्र में विकास हुआ है तथा नागरिकों की उच्च शिक्षा प्राप्त करने की लालसा बढ़ी है पर्यटन के क्षेत्र में भी इन्टरनेट का उपयोग करने की

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

आवश्यकता बढ़ती जा रही है भिन्न-भिन्न राज्यों व देशों से आने वाले पर्यटकों के सम्पर्क में आने से पर्यटन जिले के लोगों के ज्ञान में वृद्धि होती है।

वहीं भाषा पर प्रभाव का सर्वाधिक प्रभाव स्थानीय नागरिकों व व्यवसायी लोगों पर अधिक पड़ा है, क्योंकि पर्यटन व्यवसाय में रहने वाले लोगों को अलग-अलग भाषाओं को सिखने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी भाषा का विकास हो रहा है।

इसी प्रकार से सारणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक 76.00 प्रतिशत शिक्षाविदों के अनुसार पर्यटन से एकता पर प्रभाव पड़ा है, वहीं 68.00 प्रतिशत व्यवसायी,78.00 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों तथा 56.00 प्रतिशत गाइडों ने बताया कि पर्यटन व पर्यटकों का प्रभाव एकता पर पड़ा है, क्योंकि अध्ययन क्षेत्र में विभिन्न धमोर्ं वाले भिन्न-भिन्न देशों के लोग जब एक साथ रहते हैं एक साथ घुमते हैं एक साथ खाना खाते हैं तथा विचारों का आदान प्रदान करते हैं तो इसमें समाज में एकता की भावना का विकास होता है। जिसका प्रभाव वहां की संस्कृति पर अधिक दिखाई देता है।

## सारांश :

निष्कर्षत कहा जा सकता है कि पर्यटन विकास के सामाजिक प्रभाव से पर्यटन केन्द्र के जिले के लोगों का सामाजिक जीवन व्यापक रूप से प्रभावित हुआ जीवन पर अच्छा व बूरा दोनों ही प्रभाव पड़ते हैं अच्छे प्रभावों को ग्रहण करके तथा बूरे प्रभावों को स्थानीय परम्पराओं, सामाजिक मूल्यों और प्रतिमानों के अनुरूप ‘क्या करना चाहिए व क्या नहीं करना चाहिए’ की आचरण नीति को सामाजिक क्रियान्वित करना होगा।

चित्तौड़गढ़ में पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक संवृद्धि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, यही नहीं सामाजिक असमानताओं को दूर करने की दृष्टि से भी पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, पर्यटन पर्यावरण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देता है, साथ ही साथ अर्थव्यवस्था के विकास को भी अभिप्रेरित करता है, इसीलिए पर्यटन के सामाजिक आर्थिक प्रभाव वहां के निवासियों पर सकारात्मक प्रभाव माना जाता है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 6, June 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1006440|

**संदर्भ :**


- गुप्ता, मोहनलाल - राजस्थान का जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, पृ.सं.48-49
- गुप्ता, मोहनलाल - राजस्थान का जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, पृ.सं.182
- जिला सांख्यिकी रूपरेखा, जिला चित्तौड़गढ़ 1981 1991, 2001 एवं 2011
- प्रसाद, गायत्री, (2005) - सांस्कृतिक भूगोल, शारदा पुस्तक भण्डार, इलाहाबाद मामोरिया, चतुर्भुज, शर्मा, बी. एल. (2006) आर्थिक भूगोल, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
- H. Kalro and V. N. Asopa, Issuesin development and management of ground water Resoueces in East Utaar Pradesh Shashi Kalvalli, IIM, Ahmdabad, July, 1989 p. 23.
- Ahmad, A. (ed.), year 1999, social structure and regional development, Rawat Pub. Jaipur


**शोध कार्य हेतु निम्नलिखित पुस्तकालय, संस्थान, पत्र-पत्रिकाएँ व जर्नल्स की सहायता ली**

1. केन्द्रीय पुस्तकालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. अतिथि, टूरिज्म आर्ट एण्ड कल्चर डिपार्टमेंट मैंगजीन, राजस्थान, उदयपुर।
3. केन्द्रीय पुस्तकालय, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)।
4. राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, जयपुर।
5. प्रगति प्रवतिवेदन (2016-17) पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार।
6. पर्यटक स्वागत केन्द्र, चित्तौड़गढ़।
7. यात्री भारतीय पर्यटन विकास निगम (आई.टी.डी.सी.) की पत्रिका, नई दिल्ली।

***

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor:
7.512

ISSN
INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

निस्केयर
NISCAIR

# INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com